क्लारा और घोड़ागाड़ी लाइब्रेरी

नैन्सी स्माइलर लेविंसन

चित्र: कैरोलिन क्रॉल



क्लारा और घोड़ागाड़ी लाइब्रेरी

नैन्सी स्माइलर लेविंसन

चित्र: कैरोलिन क्रॉल



अध्याय

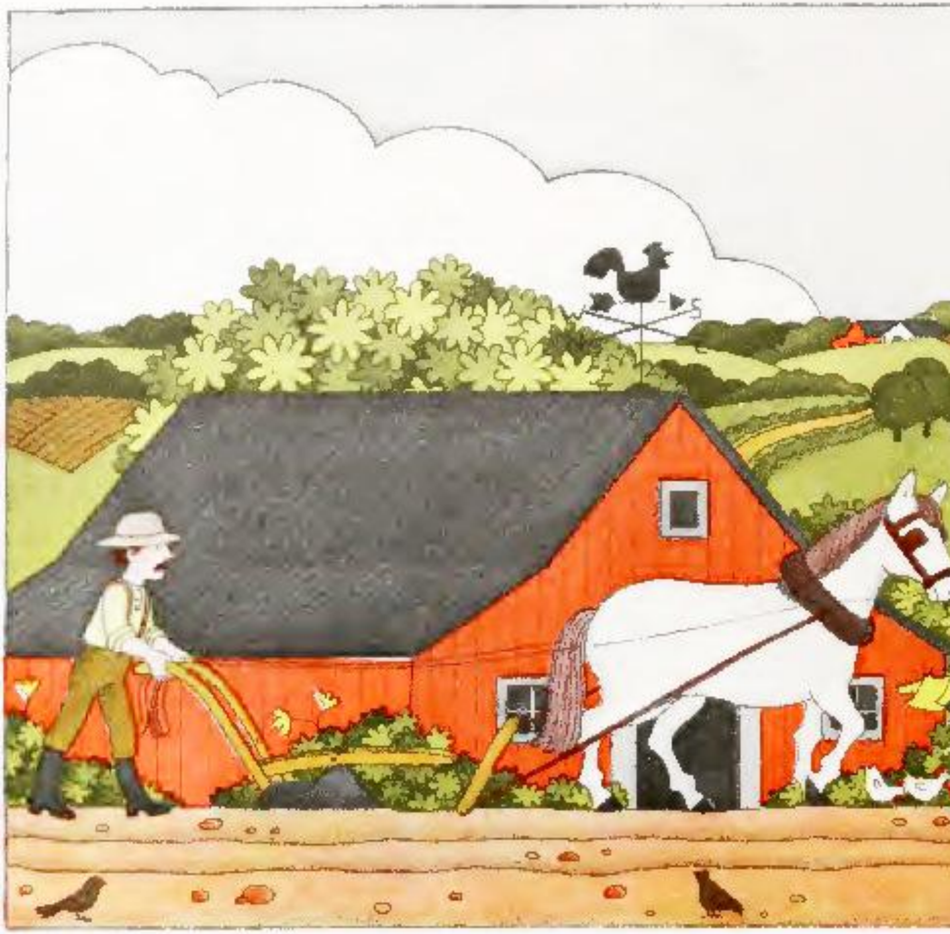




1.
फार्म पर

क्लारा मैरीलैंड में
एक छोटे से फार्म पर रहती थी.

वह मुर्गियों को खिलाने में मदद करती थी.
वह खाना पकाने में माँ की मदद करती थी.
वह छोटे हंस और बेबी ऐन की
देखभाल करने में मदद करती थी.





वसंत में वह पापा के साथ

मकई बोने का काम करती थी,

क्लारा स्कूल नहीं जाती थी.

फार्म के बच्चों के लिए वहां

कोई कोई स्कूल नहीं था.

लेकिन क्लारा सीखना चाहती थी.

वह सूरज और तारों के बारे में

जानना चाहती थी.

मकई के बीज से कैसे उगते हैं?

वो जानना चाहती थी.

लेकिन सबसे बढ़कर

वह पढ़ना सीखना चाहती थी.

एक बार चर्च ख़त्म होने के बाद

रेवरेंड स्ट्रॉन्ग ने, क्लारा को

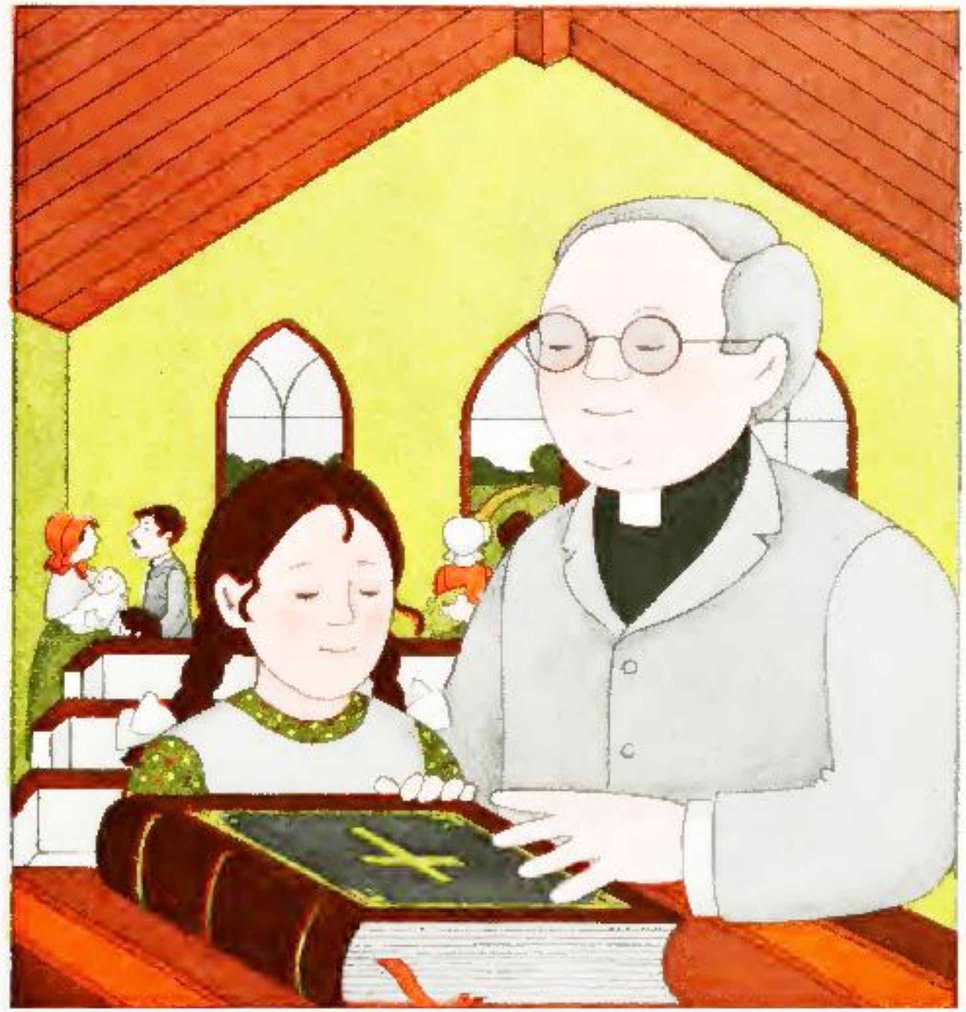
अपनी पारिवारिक बाइबिल दिखाई.

"कितनी बड़ी बाइबिल है!"

क्लारा ने कहा.

"और इसमें बहुत सुंदर

कहानियाँ हैं," रेवरेंड स्ट्रॉन्ग ने कहा.



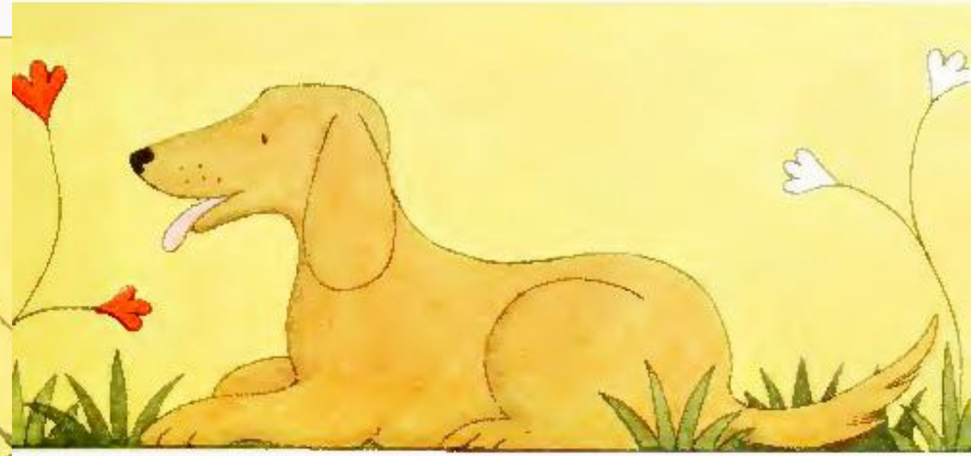
क्लारा को कहानियाँ सुनना

बहुत पसंद था!

उसे हर रविवार वाले दिन चर्च में

कहानियाँ सुनना अच्छा लगता था.





कभी-कभी वो अपनी, खुद की

कहानियाँ भी बनाती थी.

कुछ जानवरों के बारे में होतीं.

कुछ परिवार के बारे में.

और कुछ खेत पर एक

लड़की के बारे में होतीं

जो ठीक उसके जैसी थी.

काश मैं कहानियाँ पढ़ पाती,

वह सोचती. काश मेरे पास

अपनी खुद की एक

कहानी की किताब होती.

लेकिन उसके परिवार के पास

इन चीज़ों के लिए पैसे नहीं थे.

कभी-कभी क्लारा

खेत का काम करते-करते

थक जाती थी.

फिर वह घास पर लेट जाती,

या पापा द्वारा बनाई गई

रॉकिंग चेयर पर झूलती,

और सपने देखती थी.



एक दिन क्लारा, माँ की

रोटी पकाने में मदद कर रही थी.

"माँ," उसने पूछा,

"भट्टी में रोटी कैसे फूलती है?"

"ओह, प्रिय," माँ ने कहा.

"मैं अभी तुम्हें नहीं बता सकती.

मैं बहुत व्यस्त हूँ."

क्लारा ने भट्टी का दरवाज़ा खोला

ताकि वह अंदर झाँक सके.



उसने

रोटी के आटे के बारे में सोचा.

उसने सोच कि अगर रोटी फूलती रही

तो वो कुछ देर बाद भट्टी के

दरवाज़े से बाहर नहीं निकल आएगी.

फिर क्लारा खुद पर हँसी.

"दरवाज़ा बंद करो, क्लारा,"

माँ ने कहा,

"नहीं तो रोटी नहीं फूलेगी."

"हाँ माँ," क्लारा ने कहा.

वह रॉकिंग चेयर पर बैठ गई.

फिर वह आगे-पीछे हिलती रही,

आगे-पीछे.



रसोई का दरवाज़ा खुला.

वह पापा थे.

वह गर्मी में बड़े थके हुए लग रहे थे.

उनके जूते धूल से सने हुए थे.

"क्या तुम फिर से सपना देख रही हो?"

उन्होंने क्लारा से पूछा.

"हाँ, पापा." उसने कहा.

"खेत काम करने के लिए होता है

सपने देखने के लिए नहीं," पापा ने कहा.

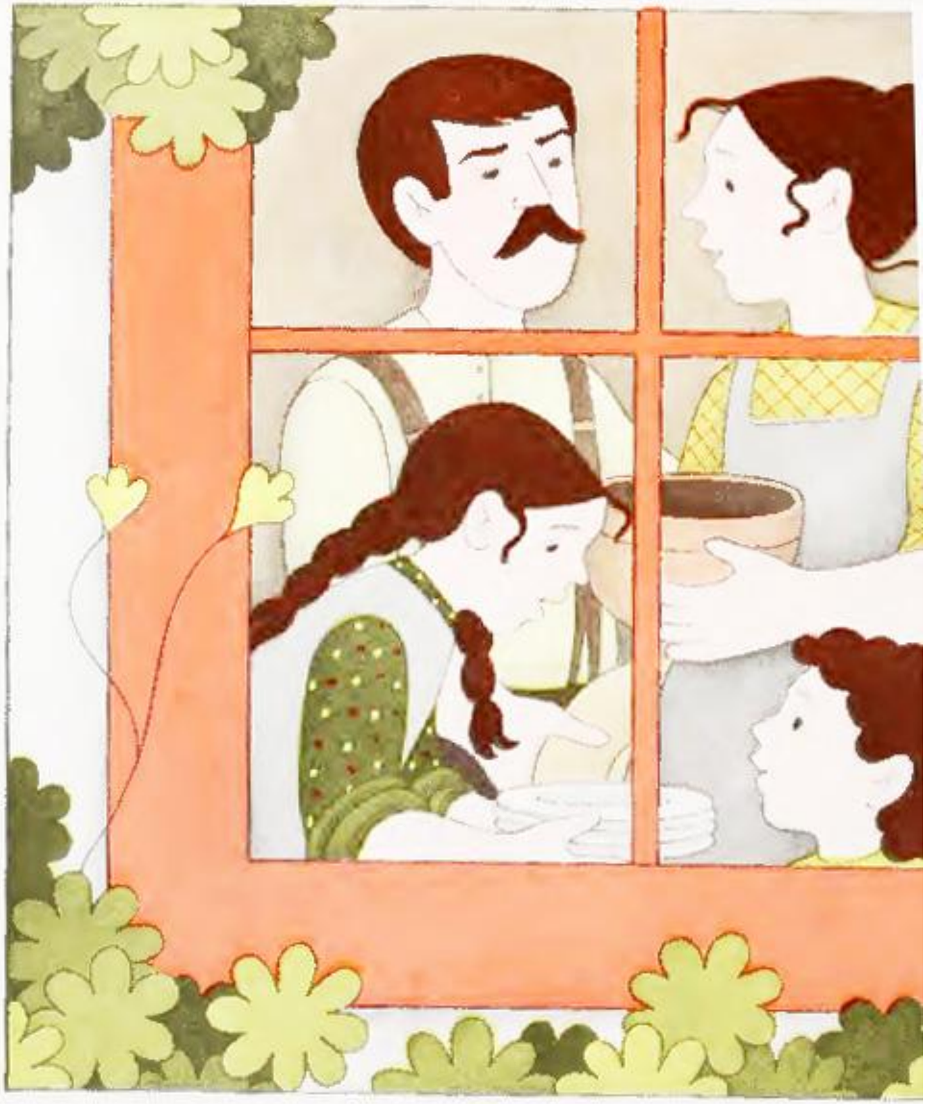
"हर किसी को मदद करनी चाहिए,

नहीं तो हमारे पास

खाने के लिए कुछ भी नहीं होगा."

"हाँ, पापा," क्लारा ने कहा.





छोटा हंस रसोई में भागकर आया.

"खाना, खाना," वह चिल्लाया.

"अभी खाने का समय नहीं हुआ है,"

माँ ने कहा.

"आओ, हंस," क्लारा ने कहा.

"हम टेबल लगाएँगे.

फिर मैं तुम्हें एक कहानी सुनाऊँगी."

"मैं लकड़ी काटने जाऊँगा,"

पापा ने कहा.

"अच्छा," माँ ने कहा.

“उतनी देर में

खाना भी तैयार हो जाएगा."





2.
शहर की यात्रा

क्लारा और माँ कपड़े साफ़ कर रही थीं.

"माँ! क्लारा!" पापा ने पुकारा.

"मुझे शहर जाना है.

हमें कुछ मकई के बीज चाहिए."

माँ ने कहा, "हमें आटा और चीनी भी चाहिए."

"क्या मैं आपके साथ चल सकती हूँ?"

क्लारा ने पूछा.

"मैं मदद करने का वादा करती हूँ."

पापा मुस्कुराए.

"तो फिर साथ में चलो," उन्होंने कहा.

क्लारा ने पापा की घोड़ागाड़ी

जोड़ने में मदद की.





शहर बहुत दूर था - लगभग सात मील.

"हम सूर्यास्त तक वापस आ जाएँगे,"

पापा ने माँ से कहा.

माँ ने अलविदा कहा.

हंस ने अलविदा कहा.

बेबी एन रो पड़ी.

क्लॉप, क्लॉप, क्लॉप.

घोड़ा धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था.

सूरज गर्म था.

वसंत की हवा अच्छी महक रही थी.

क्लारा और पापा तब तक सवारी करते रहे

जब तक वे एक नाले के पास नहीं पहुँचे.

"यह आराम करने के लिए

एक अच्छी जगह लगती है."

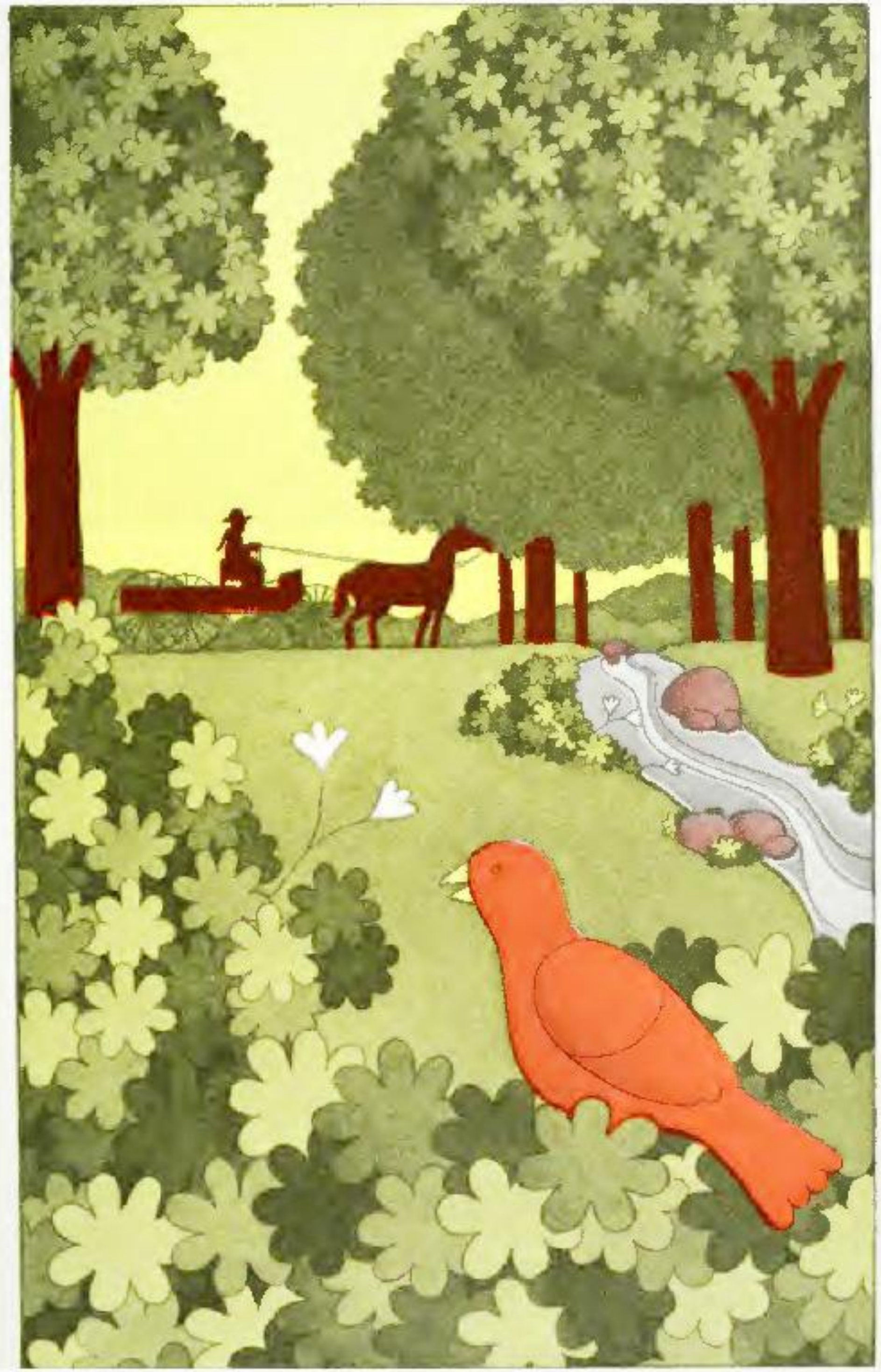
पापा ने कहा.

उन्होंने गाड़ी को ढलान पर रोक दिया.

क्लारा नाले की ओर भागी

और उसने अपने हाथों से

साफ, ठंडा पानी पिया.





"कितना स्वादिष्ट है, पापा,"

क्लारा ने कहा.

पापा ने भी पानी पिया

फिर उन्होंने अपने चेहरे पर पानी छिड़का.

"बहुत अच्छा लग रहा है," उन्होंने कहा.

फिर पापा ने घोड़े को पानी पिलाया.

"पापा, क्या आपको पता है

कि और क्या अच्छा लगेगा?"

क्लारा ने पूछा.



"क्या?" पापा ने कहा.

"एक पेपरमिंट कैंडी,"

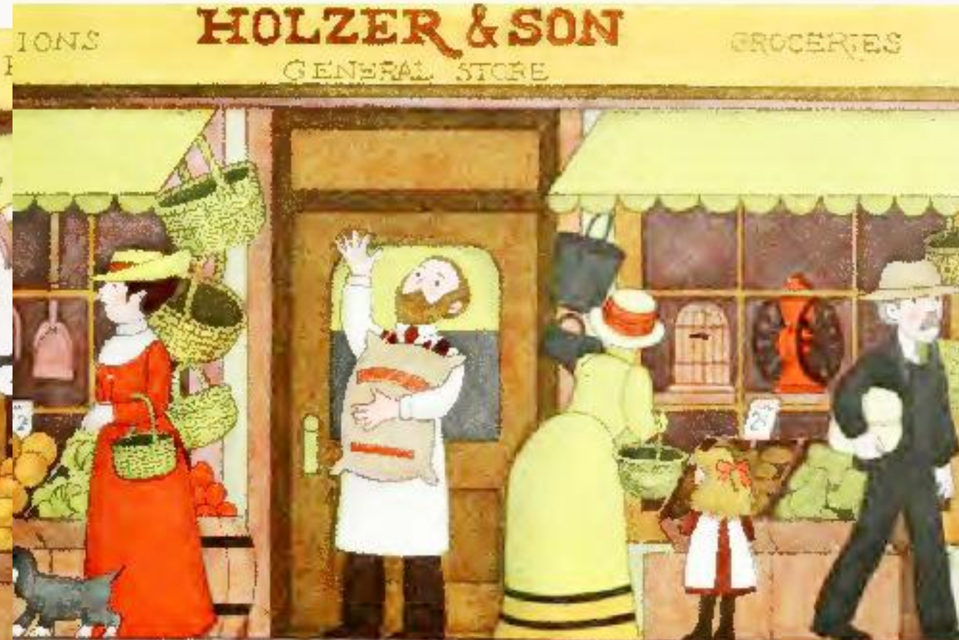
क्लारा ने कहा.

"शहर की यात्रा पेपरमिंट कैंडी

के बिना अधूरी रहेगी,"

पापा ने कहा.





क्लारा और पापा वापस गाड़ी में चढ़े

और आगे बढ़े.

आखिरकार वे शहर पहुँचे.

मिस्टर होलज़र ने स्टोर पर

उनका स्वागत किया.

"मौसम बहुत अच्छा है,"

उन्होंने कहा.

"हाँ," पापा ने कहा.

"बुआई के लिए अच्छा मौसम है."

क्लारा ने स्टोर में चारों ओर देखा.

वहाँ सिलाई के लिए धागा था.

खाना पकाने के लिए बर्तन थे.

निर्माण के लिए उपकरण थे.

फिर क्लारा ने किताबें देखीं.

किताबों से भरा एक शेल्फ!

क्लारा ने एक किताब निकाली

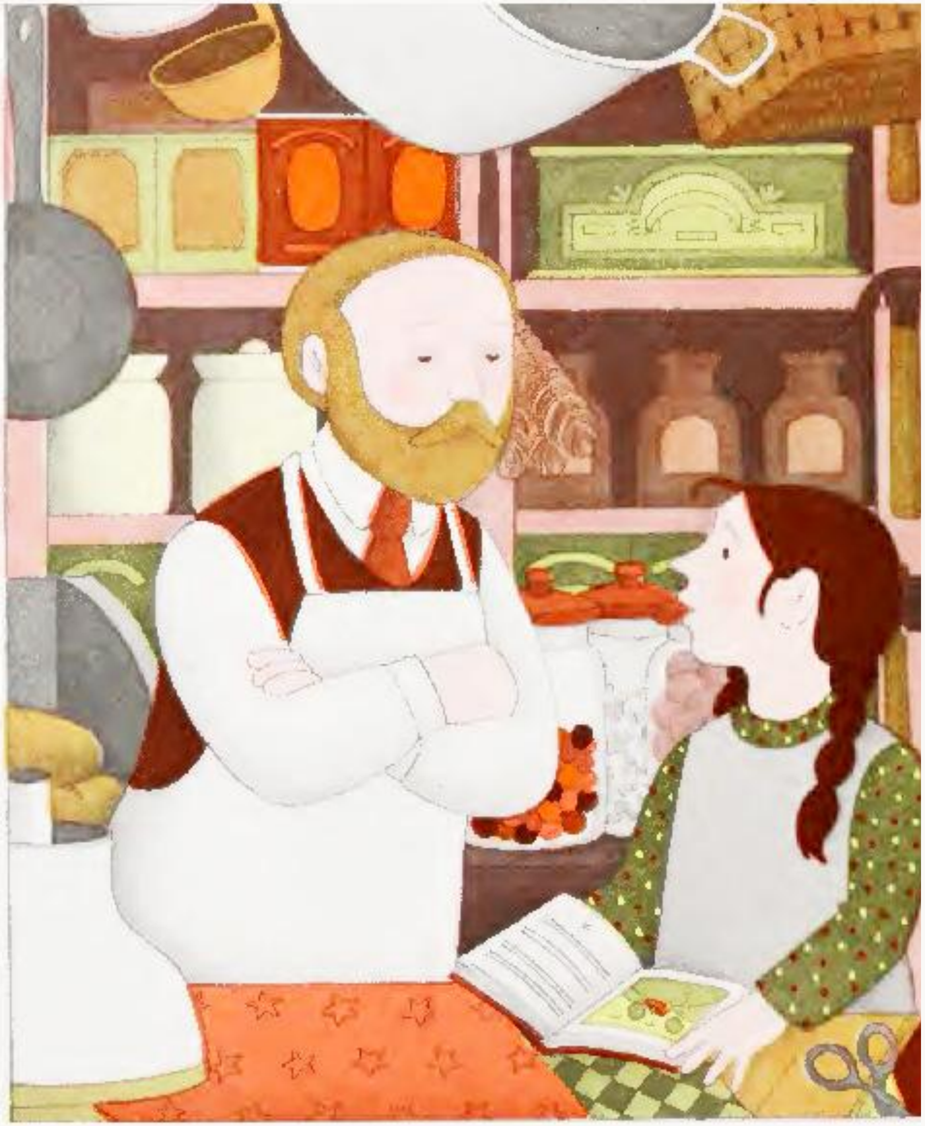
और उसे खोला.

उसमें बहुत सारे अक्षर थे.

बहुत सारे शब्द थे.

उससे क्लारा को चक्कर आ गया.





"अच्छा, अच्छा,"

मिस्टर होलज़र ने कहा.

"तो तुम एक किताब

उधार लेना चाहते हो."

क्लारा ने ऊपर देखा.

"इसकी कीमत कितनी है?"

"इसकी कीमत एक पैसा भी नहीं है.

यह लाइब्रेरी की किताब है,"

मिस्टर होलजर ने कहा.

"मेरी दुकान एक बुक स्टेशन है."

"किताब उधार लेने के लिए

कुछ भी खर्च नहीं होगा?"

क्लारा ने पूछा.

"यह सही है," मिस्टर होलजर ने कहा.

"किताबें बिल्कुल फ्री हैं."



क्लारा पापा के पास भागी.

"पापा, देखिए!"

"मैं निःशुल्क किताब उधार ले सकती हूँ.

मैं पढ़ना सीख सकती हूँ."

पापा मुस्कुराए नहीं.

उन्होंने क्लारा की पीठ सहलाई.

"किताबें अमीर लोगों के लिए होती हैं,"

उन्होंने कहा.

"हमारे जैसे खेतिहर लोगों के पास

पढ़ने के लिए समय ही कहां है."

पापा ने किताब वापस शेल्फ पर रख दी.

क्लारा की आँखों में आँसू भर आए.







पापा ने क्लारा को

एक पेपरमिंट स्टिक दी.

"यह लो, क्लारा," उन्होंने कहा.

"तुम लगभग अपनी

पेपरमिंट कैंडी भूल ही गईं थीं.

चलो!

अब वैगन लोड करने का समय हो गया है

घर जाने का समय हो गया है."




3.
काली वैगन

एक गर्मी के दिन

क्लारा और पापा बगीचे में

निराई कर रहे थे.

"क्लारा!" माँ ने पुकारा.

"मैं ब्लूबेरी जैम बनाने जा रही हूँ.

क्या तुम ब्लूबेरी तोड़ना चाहोगी?"

"ओह, हाँ," क्लारा ने कहा.

उसने पापा की तरफ देखा.

पापा मुस्कुराए.

"तुम बहुत दिनों से

निराई कर रही हो," उन्होंने कहा.

"अब वो काम मैं पूरा कर दूँगा."





क्लारा ने बाल्टी ली

और जंगली ब्लूबेरी

के खेत की ओर दौड़ी.

वह ब्लूबेरी तोड़ते हुए गाती रही.

अचानक उसने सड़क पर

कुछ आते हुए देखा.

वो एक बड़ी, काली गाड़ी थी.

उस वैगन को

दो घोड़े खींच रहे थे.





उसे एक महिला चला रही थी.

उसने हाथ हिलाया और रुक गई.

क्लारा ने गाड़ी को घूर कर देखा.

वैगन किताबों से भरी हुई थी.

"हेलो," महिला ने पुकारा.

"मैं मिस मैरी, लाइब्रेरियन हूँ.

और तुम कौन हो?"

क्लारा ने मिस मैरी को

अपना नाम बताया.

"क्या आप शहर से इतनी दूर

गाड़ी चलाकर आई हैं?" क्लारा ने पूछा.

"हां," मिस मैरी ने कहा.

"क्या तुम्हें हमारी नई

चलती-फिरती लाइब्रेरी पसंद आई?"

"जी हां," क्लारा ने कहा.

"मुझे नहीं पता था

कि दुनिया में इतनी सारी किताबें होंगी."

मिस मैरी ने कहा,

"हमारे पास युवाओं के लिए किताबें हैं.

हमारे पास बड़ों के लिए किताबें हैं.

और हमारे पास

अन्य लोगों के लिए भी किताबें हैं."





"क्या आपके पास

मेरी जैसी लड़की के लिए

कोई किताब होगी?"

क्लारा ने पूछा.

"हां," मिस मैरी ने कहा.

"हमारे पास *मदर गूज*

और *फादर गूज* हैं.

हमारे पास *द विजर्ड ऑफ ओज* है

और सभी *जादुई ओज* की कहानियां हैं.

हमारे पास *द रैबिट विच*

और *पीटर पैन* है

और सभी तरह की कविताएं हैं."

क्लारा बड़ी मुश्किल से ही

कुछ बोल पाई.

"क्या तुम कोई किताब उधार

लेना चाहोगी?" मिस मैरी ने पूछा.

“तुम इसे अगली वैगन यात्रा तक

रख सकती हो."

काश मैं ऐसा कर पाती,"

क्लारा ने कहा.

"लेकिन पापा कहते हैं

कि किताबें पढ़ना, खेत में मेहनत

करने वाले लोगों के लिए

समय की बर्बादी होती हैं."





"बकवास," मिस मैरी ने कहा.

"हम जाकर तुम्हारे पापा से

बात करेंगे. आओ वैगन में चढ़ो."

क्लारा जल्दी से

किताबों वाली गाड़ी में चढ़ गई.





4.

क्लारा के लिए किताबें

गिडियप! गिडियप!

मिस मैरी ने घोड़ों को आगे बढ़ाया.

धड़ाम! धड़ाम!

वैगन धूल भरी सड़क पर आगे बढ़ी.

कितना अद्भुत है!

क्लारा ने सोचा.

मैं एक बुक वैगन पर सवार हूँ.

मैं किताबों की गाड़ी पर सवार

होकर घर जा रही हूँ.

पापा क्या सोचेंगे!

धड़ाम! धड़ाम!

वे बगीचे वाले मैदान तक पहुँच गए.

पापा गुस्से में दिखे.

"आपने गलती की है,"

उन्होंने चिल्लाते हुए कहा.

"हमारे यहाँ कोई मृत व्यक्ति नहीं है."

"यह मृत लोगों को ले जाने वाली

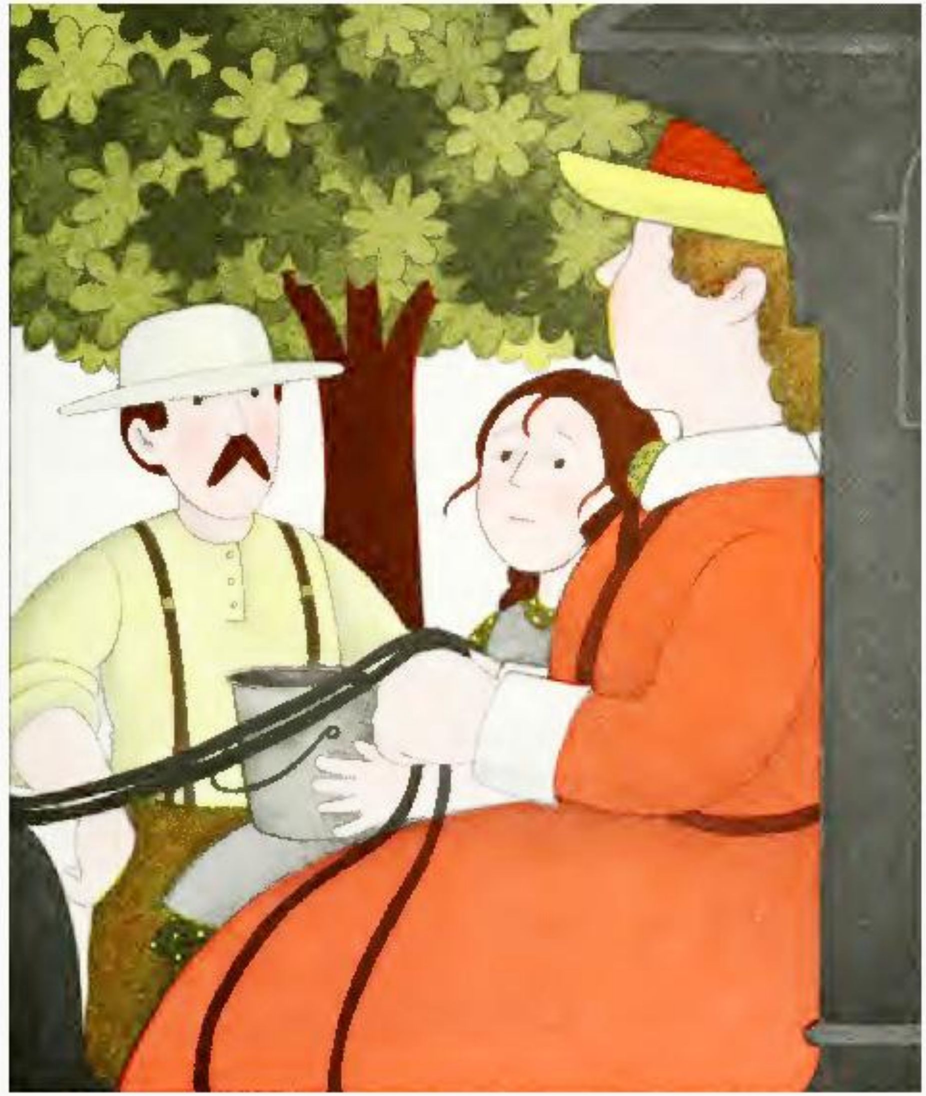
शव गाड़ी नहीं है,"

मिस मैरी ने कहा.

"मैं मैरी टिटकॉम्ब हूँ, लाइब्रेरियन.

और यह पहली चलती-फिरती

लाइब्रेरी है."







पापा ने भौंहें सिकोड़ीं.

"मैं उन लोगों के लिए किताबें लाती हूँ

जो दूर के देहातों में रहते हैं,"

मिस मैरी ने कहा.

"हम्म्फ़," पापा ने कहा.

"हमारा खेत, एक किताबों वाली

गाड़ी के लिए सही जगह नहीं है."

"यह बुक वैगन सभी खेतों के लिए है,"

मिस मैरी ने पापा से कहा.

"यह किताबें सभी लोगों के लिए हैं."

"हम यहाँ बहुत व्यस्त हैं,"

पापा ने दुहाई दी.

"धन्यवाद और शुभ दिन."

"मेहनतकश लोगों को कभी-कभी

आराम भी करना चाहिए,"

मिस मैरी ने कहा.

"पढ़ना बड़ा मजेदार होता है.

पढ़ना आपको आपके काम के बारे में

नई चीजें भी सिखा सकता है."

क्लारा पापा के पास दौड़ी.

"प्लीज, पापा," उसने कहा.

पापा ने मिस मैरी की तरफ देखा.

"मुझे पता है कि क्लारा को एक

किताब चाहिए," उन्होंने कहा.

"लेकिन उसे पढ़ना नहीं आता है."







"अगर क्लारा पढ़ना चाहती है,"

मिस मैरी ने कहा,

"तो वह जल्द ही सीख जाएगी."

पापा ने अपना सिर नीचे कर लिया.

"ठीक है, मैं...माँ और मैं...

हम खुद बहुत थोड़ा ही पढ़ना जानते हैं,"

पापा ने कहा

"मैं क्लारा को पढ़ा सकती हूँ,"

मिस मैरी ने कहा.

क्लारा ने पापा की आस्तीन खींची.

"प्लीज, पापा," उसने कहा.

"मैं तब तक किताब नहीं पढ़ूँगी,

जब तक मेरा सारा काम

खत्म नहीं हो जाता."

क्लारा ने पापा के

जवाब का इंतज़ार किया.

आखिरकार पापा ने कहा,

"मुझे पता है कि तुम

अपना वादा जरूर निभाओगी."

"हाँ, हाँ, हाँ," क्लारा ने कहा.

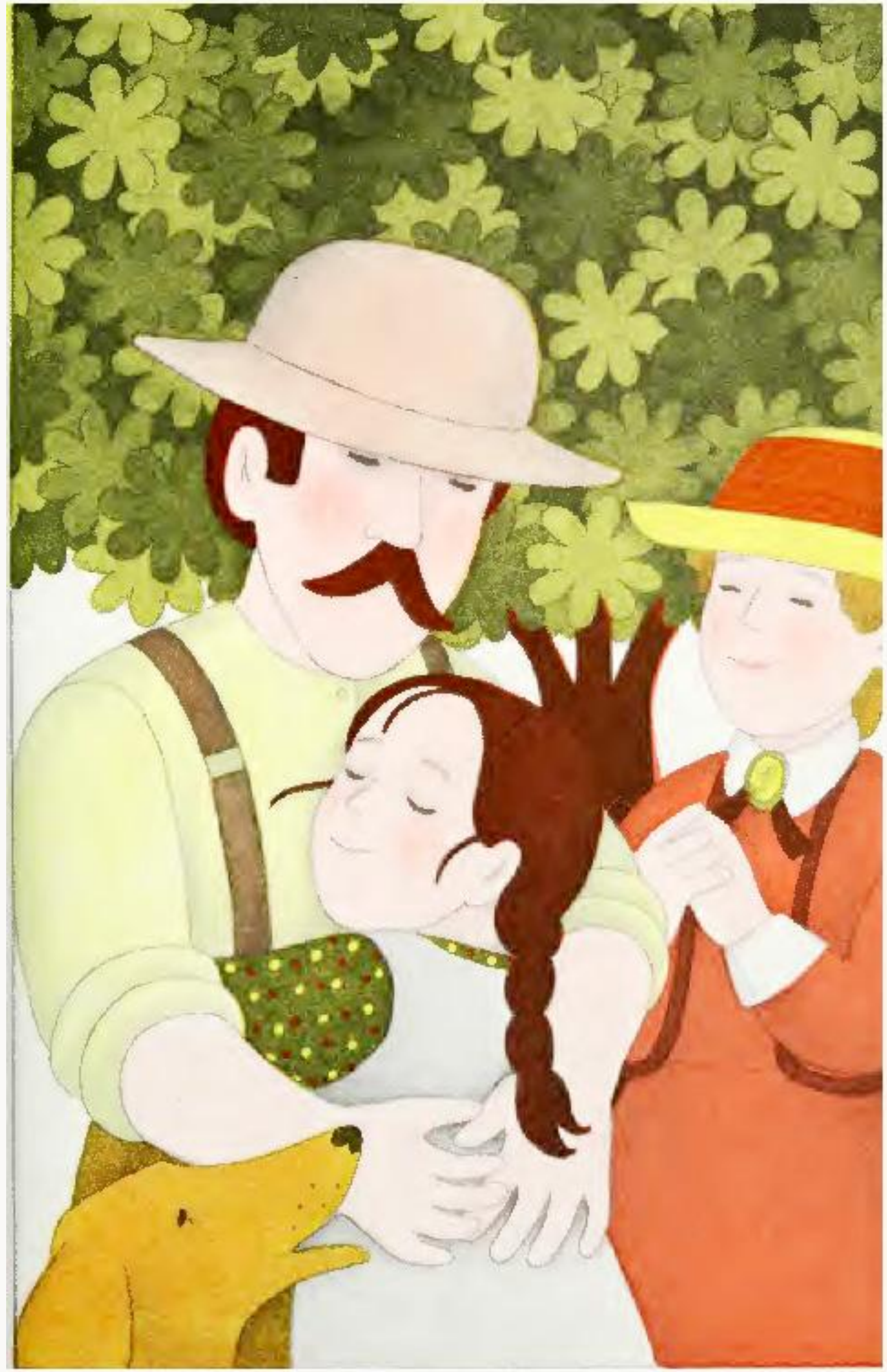
पापा ने आह भरी.

"ठीक है, क्लारा.

तुम एक किताब उधार ले सकती हैं."

"ओह, धन्यवाद, पापा!" क्लारा चिल्लाई.

क्लारा बुक वैगन की ओर भागी.



"मिस मैरी, क्या आप किताब

चुनने में मेरी मदद करेंगी?" उसने पूछा.

"ज़रूर," मिस मैरी ने कहा.

"शुरू करने के लिए

यहाँ एक वर्णमाला की सरल किताब है.

और परियों की कहानियों वाली

एक चित्र पुस्तक है.

मैं तुम्हें दिखाऊँगी

कि अक्षरों का उच्चारण

कैसे किया जाता है."

क्लारा ने वर्णमाला पुस्तक को देखा.

उसने परियों की कहानी वाली

पुस्तक को देखा.

"मुझे कहानियाँ चाहिएं," उसने कहा.

"मुझे पढ़ने के लिए कहानियाँ चाहिएं!"



यह कहानी देश की पहली चलती-फिरती “बुक वैगन” की सच्ची कहानी पर आधारित है. मैरी लेमिस्ट टिटकॉम्ब, हैगरस्टाउन, मैरीलैंड, पब्लिक लाइब्रेरी की प्रमुख बनीं. उसके तुरंत बाद, उन्होंने शहर से दूर रहने वाले लोगों को किताबें उपलब्ध कराने का फैसला किया. सबसे पहले, उन्होंने पूरे काउंटी क्षेत्र में सामान्य दुकानों, चर्चों और घरों में छोटे "पुस्तक डिपाज़ट स्टेशन" स्थापित किए. फिर 1905 में उन्होंने एक घोड़ा गाड़ी तैयार की जो सैकड़ों किताबों को दूर स्थित देहातों में ले जा सकती थी. लाइब्रेरी के चौकीदार, जोशुआ थॉमस, बुक-वैगन के ड्राइवर बन गए. वो नियमित रूप से 500 वर्ग मील के बैक-रोड क्षेत्र को कवर करते थे. पहली "बुकमोबाइल" पाँच साल तक चली, लेकिन एक रेलरोड क्रॉसिंग पर ट्रेन से टकराने पर वो ध्वस्त हो गई. सौभाग्य से ड्राइवर और घोड़ों को कोई चोट नहीं आई. 1912 में जब एक नई बुकमोबाइल बनी, तब तक उसे खींचने के लिए घोड़े की ज़रूरत नहीं थी. मैरीलैंड की दूसरी चलती-फिरती लाइब्रेरी में एक इंजन लगा था!